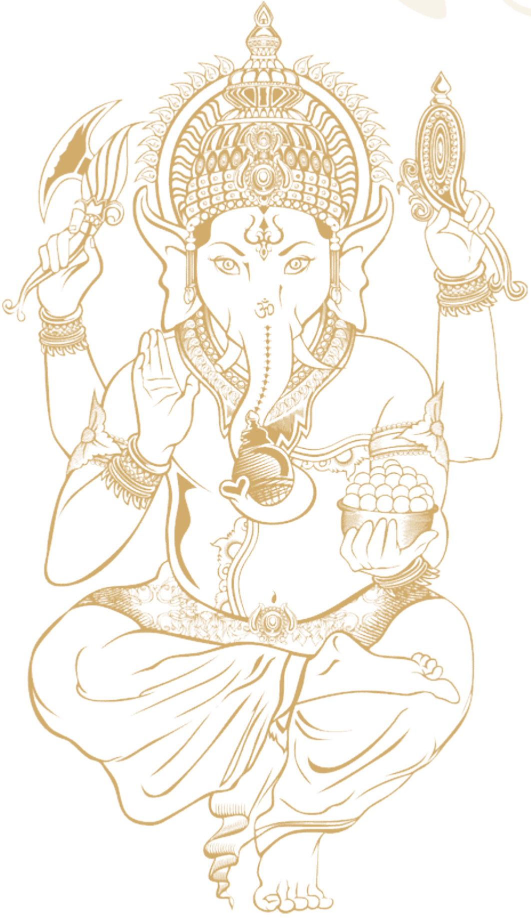

Mr. Brijraj singh hada

Ms. Divya jhala

Model: Web-FreeMatching **Order No: 120094202**

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/11/2025	जन्म तिथि	15/10/1995
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 04:15:00	जन्म समय	11:45:00 घंटे
घटी 54:03:27	जन्म समय(घटी)	13:24:34 घटी
India	देश	India
Jhalawar	स्थान	Kota
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:37	सूर्योदय	06:24:18
17:40:22	सूर्यास्त	17:59:34
24:13:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:00

विंशोत्तरी		**अंश**	**राशि**		**ग्रह**		**राशि**	**अंश**	**विंशोत्तरी**	
गुरु 10वर्ष 2मा 6दि		20:59:16	कन्या		लग्न		धनु	07:22:03	**राहु 10वर्ष 8मा 4दि**	
गुरु		23:34:12	तुला		सूर्य		कन्या	27:37:08	**शनि**	
10/11/2025		24:50:47	मिथु		चंद्र		मिथु	12:05:21	**20/06/2022**	
16/01/2036		09:40:02	वृश्चि		मंगल		वृश्चि	02:12:11	**19/06/2041**	
	00/00/0000	12:38:27	वृश्चि	व	बुध		कन्या	11:19:56	शनि	22/06/2025
	10/11/2025	00:55:42	कर्क		गुरु		वृश्चि	19:02:00	बुध	02/03/2028
बुध	23/12/2026	09:32:37	तुला		शुक्र		तुला	12:20:30	केतु	10/04/2029
केतु	29/11/2027	01:13:53	मीन	व	शनि	व	कुंभ	25:22:08	शुक्र	10/06/2032
शुक्र	30/07/2030	21:59:12	कुंभ	व	राहु		तुला	02:43:10	सूर्य	23/05/2033
सूर्य	18/05/2031	21:59:12	सिंह	व	केतु		मेष	02:43:10	चन्द्र	22/12/2034
चन्द्र	16/09/2032	05:42:22	वृष	व	हर्ष		मक	02:45:30	मंगल	31/01/2036
मंगल	23/08/2033	05:24:37	मीन	व	नेप		धनु	29:00:09	राहु	07/12/2038
राहु	16/01/2036	07:19:11	मक		प्लूटो		वृश्चि	05:13:43	गुरु	19/06/2041

लग्न-चलित

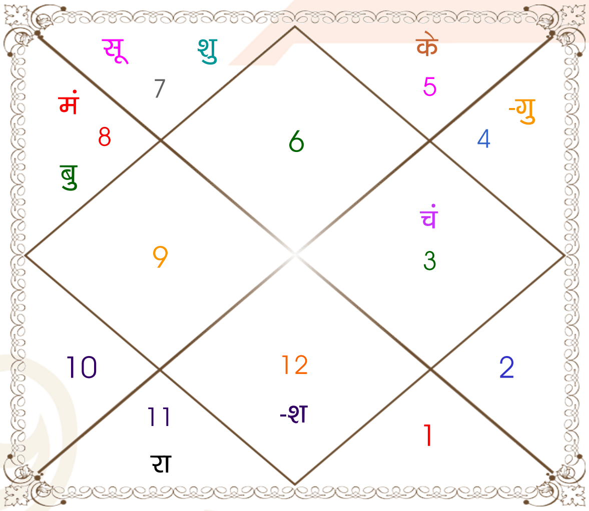

लग्न-चलित

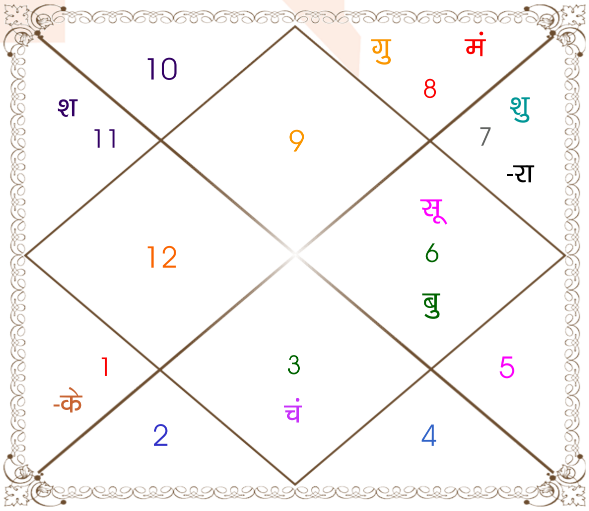

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डेण क्पअलं रींसं का नक्षत्र आर्द्रा है।

डतण ठतपरतंर`पदही िकं का वर्ग मार्जार है तथा डेण क्पअलं रींसं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ठतपरतंर`पदही िकं और डेण क्पअलं रींसं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ठतपरतंर`पदही िकं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण क्पअलं रींसं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण क्पअलं रींसं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण् क्पअलं रींसं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण् क्पअलं रींसं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण ठतपरतंर`पदही ींकं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ठतपरतंर`पदही ींकं तथा डेण् क्पअलं रींसं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।